SWAMI VIVEKANANDA MAHILA MAHAVIDHYALAYA, ROOPANGARH

FACULTY NAME : MS.FARAH

COURSE : BA I YEAR

PAPER : POLITICAL THEORY

SUBJECT : POLITICAL SCIENCE

UNIT : I

CHAPTER NAME : BEHAVIOURALISM

SESSION NAME : MEANING,ELEMENTS,CRITICISM

पुनरावलोकन (RECAP)

- राजनीतिक सिद्धांत का अर्थ, परिभाषा, प्रकृति
- राजनीतिक सिद्धांत का मानकीय उपागम

सत्र रूपरेखा (SESSION AGENDA)

- व्यवहारवाद का अर्थ
- व्यवहारवाद के उदय के कारण
- व्यवहारवाद की मूल मान्यताएं
- व्यवहारवाद की आलोचना

शिक्षण उद्देश्य (TEACHING OBJECTIVE)

- विद्यार्थी व्यवहारवाद आंदोलन के विकास के बारे में समझ सकेंगे |
- आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत निर्माण में मानव व्यवहार के अध्ययन को जान सकेंगे |

व्यवहारवाद

राजनीति-विज्ञान के अध्ययन में एक नवीन पद्धति का विकास हुआ है। इसे व्यवहारवादी पद्धित कहते हैं। व्यवहारवादी राजनीतिशास्त्री इस अध्ययन में व्यक्ति और समूहों के व्यवहार को अधिक महत्व देते हैं। उनकी दृष्टि में ऐतिहासिक घटनाओं, राजनीतिक संस्थाओं और संविधान आदि का अध्ययन करना उतना महत्वपूर्ण नहीं होता, जितना मानव व्यवहार का।

प्रमुख समर्थक

इस दृष्टिकोण के प्रमुख समर्थक विद्वानों में डेविड ईस्टन ,हर्बर्ट साइमन, लूसियान पाई, एडवर्ड शिल, डेविड ट्रूमैन , रॉबर्ट डहल , किक पैट्रिक आदि प्रमुख है ।

व्यवहारवाद के उदय के कारण

- परंपरागत अध्ययन पद्धतियों के प्रति असंतोष
- अन्य सामाजिक विज्ञानों से प्रेरणा
- द्वितीय विश्व युद्ध का प्रभाव
- नवीन अध्ययन पद्धतियों का प्रयोग

व्यवहारवाद की मूल मान्यताएं

- नियमितता
- सत्यापन
- तकनीक
- परिमाणीकरण
- व्यवस्थितकरण
- मूल्य
- शुद्ध विज्ञान
- एकीकरण या समग्रता

व्यवहारवाद की आलोचनाएं

- मानव व्यवहार के नियमों की घोषणा करना कठिन
- अपर्याप्त
- राजनीति शास्त्र की स्वायत्तता नष्ट होने का भय
- राजनीति शास्त्र में वैज्ञानिक पूर्वानुमान कठिन
- पद्धतियों पर विशेष जोर

व्यवहारवाद की आलोचनाएं

- मूल्य निरपेक्षता असंभव
- अत्यंत खर्चीली पद्धति
- अत्यधिक शब्द आडंबर
- राजनीति विज्ञान विशुद्ध विज्ञान नहीं

THANK YOU